www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

12. मयकोफेनोलेट मोफेटील (एम एम एफ)

12.1 विविरण

कुछ बाल गठिया रोगों में प्रतिरिक्षा तंत्र का कुछ भाग अधिक कार्य करने लगता है। यह दवा B तथा T लिम्फोसाइट (जो एक प्रकार की सफ़ेद रक्त कणिकाएँ हैं) दूसरे शब्दों में यह प्रतिरिक्षा में सक्रिय कोशिकाओं के बढ़ने की दर को कम करती है। एम एम एफ इस प्रक्रिया से काम करती है। तथा दवा शुरू करने के कुछ हफ्ते बाद इसका प्रभाव आता है।

12.2 डोज / देने का तरीका

यह दवा खाने की गोली अथवा पाउडर घोल के रूप में १-३ ग्रा प्रतिदिन लिया जाता है। इसे भोजन के साथ नहीं लेना चाहिए क्योंकि खाने के साथ इसे लेने से दवा का अवशोषण कम होता है यदि एक खुराक छूट गयी है तो उसे दूसरे खुराक के साथ नहीं लेना चाहिए तथा इसे ठीक तरह से बंद करके रखना चाहिए सही तौर पर एक ही दिन में अलग अलग समय पर खून के सेम्पल लेकर दवा की मात्रा की जाँच करनी चाहिए जो हर मरीज में डोस को समायोजित करने के लिए जरूरी है।

12.3 दुष्प्रभाव

सबसे आम दुष्प्रभाव पेट की खराबी है जो १०-३०% मरीजों में देखी गई है। जिसमें दस्त उल्टी, मितली तथा कब्ज की शिकायत आम हैं। यदि यह दुष्प्रभाव लम्बे समय तक रहते हैं तो कम डोस में दवा या समान प्रकार की दवा मायफोर्टिक का उपयोग लाभकारी है। इस दवा से सफ़ेद रक्त कणिकाओं / प्लेटलेट की संख्या में कमी हो सकती है, इसलिए इनकी जाँच प्रतिमाह करना चाहिए। यदि इन कणिकाओं की संख्या में कमी आती है तो कुछ समय के लिए दवा को बंद कर देना चाहिए।

इस दवा के कारण इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है तथा प्रतिरिक्षा कम होने की वजह से जैविक टीकों के प्रभाव में भी रुकावट आती है। इसलिए इस दवा के चलते हुए बच्चे को जैविक टीके जैसे खसरे का टीका आदि नहीं देना चाहिए। टीकाकरण के बारे में डॉक्टरी सलाह लेना

चाहिए तथा गर्भधारण नहीं करना चाहिए।
नियमित डॉक्टरी जाँच तथा खून व पेशाब की प्रतिमाह जाँच दुष्प्रभावों के नियंत्रण के लिए जरुरी है।

12.4 मुख्य बाल गठिया संबंधी रोगों में उपयोग

जुवेनाइल सिस्टेमिक ल्यूपस एरीथमेटोसस

">http://labels.fda.gov http://labels.fda.gov